SMS
LUCKNOW

SCHOOL OF MANAGEMENT SCIENCES

Welcomes

Vedic Science Centre

SMS
LUCKNOW

Vedic Science Centre

ॐ

वैदिक विज्ञान केन्द्र

(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)

19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

SMS
LUCKNOW

Vedic Science Centre's Inaugural Day
21st April, 2015

SMS LUCKNOW

Glimpses of Inaugural Function of Vedic Science Centre on 21st April, 2015

SMS
LUCKNOW

About

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

Vedic Science Centre was established on **21st April, 2015** in the campus of School of Management Science Lucknow at Gangotri Building is to conduct, meeting regarding collection of literature and discussions on the important topics. The aim of the Vedic Science Centre is to spread the Knowledge of Vedic Science which was the leading knowledge on the earth during ancient days. The Centre will focus Science & Technology developed during those period and involved students, teachers to search from the ancient documents (such as **Ved, Puran, Ramayan, Mahabharat** etc.) & try to get its authenticity validated with existing science & technology.

SMS
LUCKNOW

Aims & Objectives

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिमपुर विराजा, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

- Research focusing in the areas of Vedic Sciences (i.e., issues of Spirituality of Life, Yoga and Meditation) for the benefits of humanity.
- To create awareness programme and unfold Scientific developments during ancient period to enrich Faculty members & Students such as: Vedas, Purans, Ramayan, Mahabharat scripture and Spiritual Values of Life.
- Study of Sanskrit language to enhance the knowledge in Vedic literature.
- Study of Vedic Maths & applying it in day to day life.
- To focus new researches based on Vedic Science evidences.

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

Policy

Imparting value based research & innovation of highest standard relevant to contemporary Development of Science in Vedic Period for benefits of humanity.

SMS
LUCKNOW

Road Map

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरूआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

राजधानी

सिटी टाइम्स 3

राजधानी में वैदिक विज्ञान केन्द्र की स्थापना

लखनऊ। विश्व में किसी समय भारत वर्ष ही अध्यात्म की एक बड़ी धरोहर रहा है। हमारे ग्रन्थ जो यहाँ के मनीशियों द्वारा वैदिक काल में तैयार किए गये थे, उनमें अध्यात्म के 'साथ -साथ वैज्ञानिक आधार का भी समायोजन रहा है। चूंकि सभी प्रमुख ग्रन्थ संस्कृत भाषा में लिपि-बद्ध है, अतः कालान्तर में यह आध्यात्म, केवल ऋषियों/मुनियों द्वारा प्रवचनों से जनमानस में फैलाया जाता रहा है, और आज इसे केवल धार्मिक आस्था से जोड़कर सामाजिक विघटन के रूप में बहुत बड़ी दीवार खड़ी कर दी गयी है। आज आवश्यकता इस बात की है, हम इसमे से कुछ ऐसे अंश की खोज करें जो विकास को गति देने में समर्थ हों। एसके सिंह संस्थापक स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेस लखनऊ ने बताया कि अध्यात्म तो मनुय की सभ्यता से जुड़ा है और ग्रन्थ जो लिपिबद्ध है उसमें असीमित ज्ञान मंत्रों के रूप में डाला गया है। क्या हमारी आधुनिक उपलब्धियाँ तत्कालीन वैदिक काल के खोज से आगे हैं? यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है।

S.No.	Activities	July to June	Timing
1	Prayer	Every Day	9.30 to 9.40 AM
	Saraswati Vandana	Every Day	
	Saraswati Puja & Vandana	Annual Day	10:00 to 12:30 PM
2	Yoga Practices	Every Saturday	04:00 to 04:50
	Yoga Special Training	Twice a Semester on 2nd Saturday	04:00 to 04:50

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

Road Map

S.No.	Activities	
3	Science Technical Awareness	
	Collection & Study in Vedic Literature	Ved, Puran, Ramayan, Mahabharat
	Lectures by Experts in their field of Vedic Science	
	September	3rd Saturday
	November	1st Saturday
	January	3rd Saturday
	March	1st Saturday
4	Spirituality	
	i.	Meditation
	ii.	Activation of Kundali Chakra
	iii.	Om chanting and its effects
5	Study of *Vaimanik Shastra*	One Meeting in Each Semester

SMS
LUCKNOW

1.0 INNOVATIVE WORK

1.0 Innovative Work - Highlights

1.1 Prayer

हे शारदे मां, हे शारदे मॉं,
अज्ञानता से हमें तार दे मॉं
तू स्वर की देबी है संगीत तुझसे,
हर शब्द तेरा है हर गीत तुझसे ।
हम हैं अकेले हम हैं अधूरे,
तेरी शरण में हमें प्यार दे मां ।।
हे शारदे मां हे शारदे मां
मुनियों ने समझी गुनियों ने जानी,
बेदों की भाषा पुराणों की बानी।
हम भी तो समझें हम भी तो जाने,
विद्या का हमको अधिकार दे मां।।
हे शारदे मां, हे शारदे मां
तू श्वेतवर्णी कमल पे विराजे,
हांथों में बीणा मुकुट सर पे साजे।
अज्ञानता के मिटा दे अंधेरे,
उजालों का हमको संसार दे मां।।
हे शारदे मां, हे शारदे मां

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

1.0 Innovative Work - Highlights

Prayer Snaps

SMS
LUCKNOW

1.0 Studies in Vedic Science

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

1.1 Vedic Study- Introducing Curriculum

राजस्थान पत्रिका | सिटी @ SUNDAY

कार्यशाला } विवि में पांच दिन बही वेद -विज्ञान की गंगा

वेद का नया पाठ्यक्रम बने

जोधपुर @ पत्रिका
patrika.com/city

इतिहास पुराणाभ्यां वेदं समुपबृंहये। वेद का नया विज्ञानाधारित टीका से युक्त पाठ्यक्रम हो। वेद सकल ज्ञान व विज्ञान की निधि और सृष्टि का मूल है। वेद मंत्र सृष्टि निरूपण में दुर्बोध हो जाते हैं। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग,पण्डित मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ व राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में नया परिसर सभागार में आयोजित पांच दिवसीय वेद विज्ञान-कार्यशाला से यह स्वर मुखर हुआ। यहां18 से 22 जनवरी तक जुड़े सम्मेलन में अकादमिकों, भाषाविदों और शोधार्थियों के मानस पटल पर अमिट छाप छोड़ गई, जिसमें वेद मंत्रोच्चार से ऊर्जा का संचार हुआ। इसमें वेद और विज्ञान के विद्वानों ने वेदों का महत्व प्रमाणित किया। वेद में विज्ञान को अनावृत करने के लिए आचार्यों व वैज्ञानिकों प्रो.ओमप्रकाश पाण्डेय, रामभरोसेलाल गुप्ता,डॉ. खेमचन्द शर्मा व डॉ. रवि शर्मा आदि ने ऋग्वेद आदि से वैदिक मन्त्रों की क्रमशः वैज्ञानिक व्याख्या करने के लिए प्रेरित किया। विद्वानों का कहना था कि यह व्याख्या सरल भाषा में हो, ताकि विज्ञान व संस्कृत के विद्यार्थी इसे सरलता से समझ सकें। यथासंभव यह भाष्य हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में किए जाएं।

कार्यशाला के अंतिम दिन विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता करते हुए प्रो जेके शर्मा प्रो. सत्यप्रकाश दुबे, प्रो. दयानन्द भार्गव व प्रो. हेमन्तशर्मा ने विचार व्यक्त किए। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो.दयानन्द भार्गव ने की। प्रथम सत्र में प्रो. सत्यप्रकाशु दुबे ने यज्ञ की सार्वभौमिकता व प्रभाव का स्वरूप बताते हुए मन-वाक् व कर्म की शुद्धिपूर्वक किए गए यज्ञ के प्रभाव व उससे प्राप्त अन्, अन्नाद, संतान, लौकिक सम्पत्ति, ब्रह्मवर्चस व यश प्राप्ति का निरूपण किया। डॉ.दिलीप कुमार नाथाणी ने पण्डित मधुसूदन ओझा प्रणीत 'रजोवाद' के आधार पर रज कण एवं हिग्स बोसोन का तुलनात्मक वैज्ञानिक विवेचन प्रस्तुत किया। संयोजन कार्यशाला अध्यक्ष प्रो. दयानन्द भार्गव और पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. प्रभावती चौधरी ने किया।

विद्यालय को पंखे व ट्यूब लाइट भेंट

जोधपुर @ पत्रिका
patrika.com/city

द ओरिएंटल इंश्योरेंस जोधपुर कर्मचारी बचत एवं साख को-ऑपरेटिव समिति की ओर से पांचवी रोड स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को पंखें व ट्यूब लाइटें भेंट की गई। समिति सचिव महेन्द्र मंत्री ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए 5 पंखें व 11 ट्यूब लाइटें भेंट की गई। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष महेन्द्र मेहता, उपाध्यक्ष हंसराज पन्नू, विद्यालय प्रधानाध्यापक डीआर परिहार, प्रबंधक समिति अध्यक्ष मोहन बोचिया सहित अध्यापकगण व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

1.0 Studies in Vedic Science

1.2 Vedic Study-Dark Matter

शोध ऋग्वेद के नासदीय सूक्त में डार्कमैटर व डार्कएनर्जी का उल्लेख, परमाणु भौतिक शास्त्र को वेद विज्ञान से जोड़ा

डार्कमैटर सदब्रह्म की अव्यक्त अवस्था

राजस्थान पत्रिका
एक्सक्लूसिव

एम आई जाहिर. जोधपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

हमारी पांच हजार साल पुरानी वैदिक संस्कृति एक बार फिर आधुनिक विज्ञान पर भारी साबित हुई है। नई दिल्ली के वेद विद्वान प्रो. खेमचंद शर्मा ने अपने शोध के आधार पर वैदिक पार्टिकल फिजिक्स नामक पुस्तक मे पार्टिकल फिजिक्स यानि परमाणु भौतिक शास्त्र को वेद से जोड़कर अध्ययन प्रस्तुत किया है। अब तक यह एक गूढ़ गुत्थी थी, लेकिन शर्मा ने इसे वेदों मे ढूंढ निकाला है। उनके अनुसार, डार्क मैटर सदब्रह्म की अव्यक्त अवस्था है। यही नहीं, विज्ञान के गूढ़ विषय डार्क मैटर डार्क एनर्जी का ऋग्वेद के नासदीय सूक्त के प्रथम मंत्र मे उल्लेख किया गया है। यह सृष्टि से पहले की स्थिति है। नासा से जुड़े रहे वैज्ञानिक डॉ. रवि शर्मा ने गत दिनों राजस्थान पत्रिका से एक विशेष भेंट मे प्रो. खेमचंद शर्मा प्रस्तुत वेद व विज्ञान आधारित यह तथ्य उद्घाटित करते हुए बताया कि मैंने आधुनिक भौतिक शास्त्र के 2004 के नोबेल विजेता फ्रेंक विलचेक की पुस्तक से इसकी तुलना प्रस्तुत की है।

प्रो खेमचंद शर्मा

डॉ रवि शर्मा

नासदीय सूक्त के मंत्र का अर्थ

उस समय न असत् था और न सत था, न लोक था, न आकाश ही था, जो ऊपर है, किसने आवृत किया था? कहां किसकी सुरक्षा मे? क्या अपार गंभीर जल था? अर्थात सृष्टि शुरू होने से पहले की स्थिति 'न' सदब्रह्म के रूप मे उपस्थित थी। वह डार्क मैटर है, उसी की क्वांटम एनर्जी स्थिति डार्क एनर्जी है। वेद मे अदर्शनीय व अभारीय डार्क मैटर का संपूर्ण विश्लेषण किया गया है।

गुरुत्वाकर्षण पर खोज जारी

परमाणु भौतिक विज्ञान विषय पर येल यूनिवर्सिटी-फ्लोरिडा से पीएचडी डॉ. रवि शर्मा 1968 से 1972 और 1996 से 1999 तक नासा मे वैज्ञानिक रह चुके है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर मे कहा कि विज्ञान मे अभी गुरुत्वाकर्षण को बाकी की शक्तियों के साथ जोड़ना बाकी है, लेकिन वेद इस पर भी प्रकाश डालते हैं।

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

1.0 Innovative Works Highlights

1.3 Technical Study & Mahabharat Period's Vimana Found in Afghanistan

रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
07 लखनऊ • रविवार • 06 मार्च 2016 हिन्दुस्तान आज का दिन लखनऊ

वैदिक विज्ञान केन्द्र की बैठक में निदेशक ने खोला राज, वेद पुराण और अन्य धर्मग्रंथों में उड़नखटोले का भी जिक्र

ग्रंथों में छिपे तकनीकी ज्ञान का प्रयोग होगा

वैदिक विज्ञान केंद्र

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

ग्रन्थों में छिपे रहस्य और उस समय उपलब्ध तकनीकी ज्ञान को वर्तमान में प्रयोग में लाया जाएगा। इसके लिए स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज (एसएमएस) का वैदिक विज्ञान केन्द्र लगातार शोध कर रहा है। उससे विद्यार्थियों व शिक्षकों को अवगत कराया जा रहा है। यह बात शनिवार को वैदिक विज्ञान केन्द्र की बैठक बताई गई।

कॉलेज परिसर में आयोजित बैठक में एसएमएस के निदेशक प्रो. भरत राज सिंह ने बताया कि केन्द्र का उद्देश्य वेद, पुराण, महाभारत, रामायण में उपलब्ध ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उसके तथ्यों को जन-समूह के सम्मुख प्रस्तुत करना है और शोध को गति देना है। भारत के प्राचीन ग्रंथों में अद्भुत बातें छिपी हैं। वेद-पुराण में उड़नखटोले का भी जिक्र है। केन्द्र उन ग्रन्थों की सच्चाई जानने में लगा हुआ है। महर्षि भारद्वाज के वैमानिक शास्त्र की पाण्डुलिपि के अवशेष मिले थे। उसका हस्तलिपि पंडित सुबराय शास्त्री द्वारा 1916 में तैयार किया गया था। उसमें सिर्फ छह भाग ही प्राप्त हुए थे। अध्यक्ष जीएन सिन्हा ने वैज्ञानिकों से पौराणिक ग्रन्थों में छिपे वैज्ञानिक तथ्यों को दुनिया के सामने लाने की अपील की है।

वैदिक ज्ञान केंद्र में बैठक के दौरान प्रो.भरत राज सिंह ने दी जानकारी • हिन्दुस्तान

महाभारत कालीन विमान का नासा में परीक्षण

लखनऊ | रामेन्द्र प्रताप सिंह

पांच हजार वर्ष पहले महाभारत में उपयोग किया गया विमान अफगानिस्तान की एक गुफा में मिला। उस पर अमेरिका नासा के वैज्ञानिकों से डगलास केन्द्र पर परीक्षण करा रहा है।

उस विमान में असीमित ऊर्जा है, जिसको गुफा से निकालने में अमेरिकी सेना के आठ कमांडो पहले ही लापता हो चुके हैं। उस घटना के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा तीन देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ खुद विमान को देखने पहुंचे थे।

यह दावा स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) के निदेशक व वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. भरत राज सिंह ने किया है।

प्रो. सिंह ने बताया कि ग्रन्थों में छिपे रहस्यों को जानने व उस समय उपलब्ध तकनीकी ज्ञान को वर्तमान में प्रयोग में लाने के लिए स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज ने गत वर्ष 21 अप्रैल को 'वैदिक विज्ञान केन्द्र' की स्थापना हुई थी। गत वर्ष जून में केन्द्र ने इस घटना को संकलित किया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अफगानिस्तान की गुप्त यात्रा की। उन्होंने तीन महाराष्ट्राध्यक्षों को भी जनवरी 2013 में देखने के लिए आमंत्रित किया था।

यह सूचना अमेरिकी सैनिकों के रहस्योद्घाटन से अमेरिकी वेबसाइट ancient aliens disclose.tv पर डाली गई थी, जिसका वीडियो बाद में हटा दिया गया है, लेकिन उनके सैनिकों के बातचीत का आडियो अभी भी मौजूद है।

दावा

- अफगानिस्तान की एक गुफा में विमान की मौजूदगी का पता चलने पर उसे देखने खुद बराक ओबामा व तीन देशों के राष्ट्राध्यक्ष गए थे
- विमान को निकालने में अमेरिकी फौज के आठ कमांडो हो चुके हैं लापता, नासा के सहयोग से अमेरिका ले जाया गया विमान

SMS
LUCKNOW

1.0 Innovative Works Highlights

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

1.3 Technical Study & Mahabharat Period's Vimana Found in Afghanistan

भारत के प्राचीन ग्रन्थों में छिपी हैं अद्भुत बातें : प्रो. भरत राज

डेली न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। वैदिक विज्ञान केंद्र की बैठक में प्रो. भरत राज सिंह ने उपस्थित सभी विद्वत्गणों को अवगत कराया कि भारत के प्राचीन ग्रन्थों में अद्भुत बातें छिपी है, और यह जानकर आश्चर्य भी नहीं होना चाहिए कि 5000 वर्ष पूर्व में जिस विमान का उल्लेख 'महाभारत के ग्रन्थ में शकुनि मामा के द्वारा उपयोग में लाया गया था, वह आज भी उपलब्ध है। यदि इस बात की पुष्टि आज होती है तो सभी भारतीयों का सीना गर्व से ओत-प्रोत हो जायेगा और हमारे ग्रन्थों की सत्यता की पुष्टि भी हो जायेगी।

प्रो. सिंह ने यह भी बताया कि भारत के ग्रन्थों में छिपे रहस्यो को जानने व तत्समय उपलब्ध तकनीकी ज्ञान को वर्तमान में प्रयोग में लाये जाने हेतु, स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज ने विगत वर्ष 21 अप्रैल 2015 को 'वैदिक विज्ञान केन्द्र' की स्थापना की। इस केन्द्र का उद्देश्य वेद, पुराण, महाभारत व रामायण आदि जैसे ग्रन्थों में उपलब्ध ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रदेश, देश व विदेश के प्रबुद्ध वर्ग द्वारा आंकलित कर उनमें उद्धरित तथ्यों को जन-समूह के सम्मुख प्रस्तुत करना है और अपने शोध को गति देना है। प्रो0 सिंह द्वारा विगत एक (1) वर्ष की रिपोर्ट तैयार की गयी है तथा उनके द्वारा बताया गया कि वैदिक केन्द्र में हुए बहुमूल्य शोध को विद्यार्थियों व अध्यापकगणों में प्रसारित कर उन्हें आत्मसात कराया जा रहा है। बैठक के अंत में अध्यक्ष जीवनसिन्हा को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए यह अनुरोध किया गया है कि प्रदेश व भारत के सभी प्रबुद्ध-वर्ग, शिक्षाविद् व वैज्ञानिकों से जो इस केन्द्र से जुड़े और भारतवर्ष के पौराणिक ग्रन्थों में छिपे वैज्ञानिक तथ्यों को दुनिया के सामने लाने व भारतवर्ष के असीमित ज्ञान की धरोहर को पुनर्जीवित कर विज्ञान व तकनीकी के क्षेत्र में नये-नये शोध कर देश को अग्रणी बनाने में सहयोग दें।

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

1.0 Innovative Works Highlights

1.4 Technical Study Ramayan & Hanuman Chalisa

Distance between 'Earth & Sun'

Hanuman Chalisa

(Sloak)

Jug sahastra yojan per Bhanu!

Leelyo taahi madhur phal janu!!

1.0 Innovative Works Highlights

1.4 Technical Study Ramayan & Hanuman Chalisa

A *Juga* is the sum of Four *Yugas* (1 complete Mahayuga) with unit in divine years. Now,

i). Satiyuga = 4800 divine years
ii). Tretayuga = 3600 divine years
iii). Dwaparyuga = 2400 divine years
iv). Kaliyuga = 1200 divine years)

So, 1 Juga = (4800 + 3600 + 2400 + 1200) = 12,000 years

1 Jug = 12,000 years
1 Sahastra = 1,000
1 Yojan = 8 Miles
1 mile = 1.6kms

1.0 Innovative Works Highlights

1.4 Technical Study Ramayan & Hanuman Chalisa

Yug x Sahastra x Yojan = par Bhanu

(12000 x 1000 x 8 miles) = 9, 60, 00, 000 miles

= (9, 60, 00,000 x 1.6) kms

= **15, 36, 00,000** kms to Sun..

NASA has said that, it is the exact distance between Earth and Sun (Bhanu).

Which proves Hanuman ji did jump to Planet Sun, thinking it as a sweet fruit (Madhu phal)..

It is really interesting how accurate and meaningful our ancient scriptures are...!

Unfortunately it is barely recognized, interpreted accurately or realized by any one in today's time..!!

SMS
LUCKNOW

2.0 YOGA PRACTICES

SMS
LUCKNOW

2.0 Yoga Practices Highlights

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

2.1 Yoga Practices

The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
FRIDAY, MARCH 11, 2016
WWW.INDIANEXPRESS.COM

WWW.INDIANEXPRESS.COM
THE INDIAN EXPRESS, FRIDAY, MARCH 11, 2016
EXPRESS NETWORK 9

NOTICE BOARD
CORPORATE ASSOCIATE DIARY

YOGA CULTUR SPRAWL AT SMS, LUCKNOW

Keeping the pace of 'Yoga' at the SMS Lucknow campus has been observing Yoga Classes for the last one year, under the able guidance of Prof.(Dr) BR Singh and faculty members. To imbibe the culture of & significance of yoga into students, the institute has devised Yoga Class on every Saturday that will benefit all student of the Institute under able guidance of Yoga Classes. Prof. (Dr.) Bharat Raj Singh-Director SMS-IET, Prof.(Dr.) Raghubeer Singh, Dr. Dharmendra Singh, Dr P K Singh, Amarjeet, Singh, Rahul Misra etc. gained yoga guidance in different 'Aasans'.

SMS LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

2.0 Yoga Practices Highlights

2.2 Yoga Practices

जेटली मानहानि केस में केजरीवाल को समन Front Page 2

NBT नवभारत टाइम्स

तमीम के संघर्ष से जीता बांग्लादेश ▸p17

6 नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/लखनऊ। गुरुवार, 10 मार्च 2016 www.lucknow.nbt.in

SMS में लगा योग शिविर

■ एनबीटी, लखनऊ : स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में बीटेक फर्स्ट इयर के सिविल, इलेक्ट्रॉनिक व कम्प्यूटर साइंस के छात्रों ने मन, विचार को एकाग्र रखने के लिए योग शिविर में हिस्सा लिया। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में वैदिक विज्ञान केंद्र की ओर से बीते वर्ष से विश्व योग दिवस से लगातार योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में एक वर्ष से लगातार शिक्षकों और निदेशक प्रो. भरत राज सिंह प्रतिदिन एक घंटे योगाभ्यास कर रहे हैं। योग के गुणों को बच्चों में समाहित करने के लिए योग करवाया जा रहा है। शिविर के प्रशिक्षक को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व महाप्रबंधक आरएस मिश्रा रहे।

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरूआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

2.0 Yoga Practices Highlights

2.3 Yoga Practices

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

2.0 Yoga Practices Highlights

2.3 Yoga Practices

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

वर्ष : 5 अंक : 248 | लखनऊ, गुरुवार, 10 मार्च 2016 | पृष्ठ : 8

वैदिक विज्ञान केन्द्र के तत्वाधान में आयोजित हुआ भव्य योग शिविर

स्कूल आफ मैनेजमेण्ट साईसेज में लगा योग शिविर, 21 जून को मनाया जाएगा विश्व योग दिवस

राष्ट्रीय प्रस्तावना

लखनऊ। भारत के प्राचीनतम पद्धति-योग जो शरीर मन व विचार को एकाग्रता प्रदान करती है, विश्व स्तर पर सराहा गया है 21 जून को "विश्व योग दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस दिवस को विगत वर्ष करीब 190 देशों ने एक स्वथ योग का कार्यक्रम चलाया जिसमें बच्चे, नवजवान और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

स्कूल ऑफ मैनेजमेण्ट साईसेज ने 'वैदिक विज्ञान केन्द्र' के तत्वाधान में इस कार्यक्रम में निन्तर लगभग एक वर्ष से लागू कर रखा है।

जिसके अन्तर्गत कुछ अध्यापकगण तथा निदेशक प्रो0 परत राज सिंह, इसे प्रतिदिन एक घण्टे योगाभ्यास कर रहे है। योग के गुणों को बच्चों में समाहित करने हेतु जिससे उनका भौतिक व मानसिक विकास अत्याधिक हो सके, प्रत्येक शनिवार को लगभग 100-100 (सौ-सौ विद्यार्थियों की योग का प्रशिक्षण प्रत्येक वर्ग के विद्यार्थियों का चक्रानुसार बाहय प्रशिक्षक से दिलाने हेतु निर्णय लिया गया। इसी क्रम में दिनांक 05 मार्च, 2016 दिन सोमवार, बी0टेक0 प्रथम वर्ष सिविल, इलेक्ट्रानिक व कम्प्यूटर साईन्स के विद्यार्थियों का शिविर अपरान्ह 4 से 5:15 सायं तक लगाया।

उक्त शिविर के प्रशिक्षक आर0एस0मिश्रा सेवानिवृत्त महाप्रबन्धक कोआपरेटिव बैंक, लखनऊ रहे, जो विगत 25 वर्षों से योग का प्रशिक्षण निःशुल्क दे रहे है तथा एलडर्स हब, गोमती नगर विस्तखण्ड-5 में दिन-प्रतिदिन योग का कार्यक्रम चला रहे है।

इस शिविर में एस0एम0एस0 के अध्यापकगण भी अधिक संख्या में तथा स्कूल के बाहर के कुछ बुजुर्गगण जिसमें मुख्यतः एस0एम0एस0 कालेज के निदेशक प्रो0 भरत राज सिंह, डॉ0 रघुवीर सिंह, डॉ0 धर्मेन्द सिंह, डॉ0 पी0के0सिंह, अमरजीत सिंह, राहुल मिश्रा आदि ने प्रशिक्षण में भाग लिया। इस अवसर पर कालेज के बाहर प्रबद्ध वर्ग जी0एन0सिन्हा, जे0सी0शाह, एस0बी0एल0 मल्होत्रा व ए0सी0मल्होत्रा उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

2.0 Yoga Practices Highlights

2.4 International Yoga Day observed

IV | दैनिक जागरण लखनऊ, 23 जून 2016 जागरण सिटी

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज द्वारा स्थापित वैदिक विज्ञान केंद्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को डॉ. भरत राज सिंह, आरएस मिश्रा और जीएन सिन्हा ने योग कराया।

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरूआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

2.0 Yoga Practices Highlights

2.5 International Yoga Day conducted at Sydney on 21 Jun 2018

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

2.0 Yoga Practices Highlights

2.5 International Yoga Day conducted at Sydney on 21 Jun 2018

SMS LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

2.0 Yoga Practices Highlights

2.5 International Yoga Day conducted at SMS on 21 Jun 2023

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

2.0 Yoga Practices Highlights

2.5 International Yoga Day conducted at SMS on 21 Jun 2023

e-paper : www.dailynewsactivist.com
शब्द शब्द संघर्ष
DNA
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक website : www.dnahindi.com
RNI NO.: UPHIN/2007/41982 संस्करण : लखनऊ
2 डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट लखनऊ, गुरुवार, 22 जून 2023
राजधानी
www.dailynewsactivist.com

एक नजर

एसएमएस में अंतरराष्ट्रीय योग शिविर का आयोजन

लखनऊ (डीएनएन)। योग भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का एक अभिन्न अंग रहा है। योग की शक्ति को पहचानते हुए स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साईसेज ने 15 अप्रैल 2015 को वैदिक विज्ञान केन्द्र की स्थापना की थी। जिसका उद्देश्य योग की शिक्षा–दीक्षा देना है। आज जब पूरा विश्व 9वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है तो हमारे संस्थान में भी योग शिविर का आयोजन 15 मई 2023 से 21 जून 2023 तक किया गया, जिसमें भारी संख्या में गणमान्य अधिकारी, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। योगशिविर में योग सिखाने का प्रतिदिन का कार्य प्रो. डॉ. भरत राज सिंह ने किया बुधवार को आयोजन का संचालन मुकेश सिंह योग प्रशिक्षक व दूरदर्शन केन्द्र के अधिकारी द्वारा कराया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्यामेंद्र मिश्रा पार्षद गोसांईगंज मौजूद रहे। संस्थान के सचिव व मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने योग दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। निदेशक डॉ. मनोज मेहरोत्रा ने सभी अतिथियो व प्रतिभागियों का स्वागत किया। महानिदेशक तकनीकी डॉ. भरत राज सिंह ने सभी उपस्थित अधिकारियों को योग के आठ महत्वपूर्ण अंगों का सार बताया। योग शिविर के आयोजन में संस्थान के अधिकारी डॉ. जगदीश सिंह मुख्य महाप्रबन्धक, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह एसो. निदेशक, डॉ. पीके सिंह अधिष्ठाता, डॉ. आशीष भटनागर, प्राचार्य प्रबन्धन व एलयू कोर्ष, आमोद पांडेय प्राचार्य डिप्लोमा, डॉ. आशा कुलश्रेष्ठ विभागाध्यक्ष, डॉ. अमरजीत सिह विभागाद्यक्ष, सुरेन्द्र श्रीवास्तव महाप्रबन्धक मिशन, डॉ. वीबी सिंह संयुक्त निदेशक ऐडमिशन, एसएन शुक्ला कुलसचिव, डॉ. वेद कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

SMS
LUCKNOW

3.0 Researches in Vedic Science

SMS LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

3.0 Researches about Vedic Science

3.1 Discovered Patal Lok

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शुक्रवार, 25 मार्च 2016, वाराणसी, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, बलिया | www.livehindustan.com | वर्ष 7, अंक 71, पेज 16, मूल्य ₹4.00, चैत्र, कृष्ण

वैज्ञानिकों का दावा, अहिरावण का पाताललोक अमेरिकी महाद्वीप में

लखनऊ | राजेन्द्र प्रताप सिंह

वैज्ञानिकों ने उस स्थान को खोज निकालने का दावा किया है जिसका वर्णन रामायण में पाताललोक के रूप में है। हनुमानजी ने वहीं से भगवान राम व लक्ष्मण को पातालपुरी के राजा अहिरावण के चंगुल से मुक्त कराया था। यह स्थान मध्य अमेरिकी महाद्वीप में पूर्वोत्तर होंडुरास के जंगलों के नीचे दफन है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने लाइडर तकनीकी से इस स्थान का 3-डी नक्शा तैयार किया है, जिसमें जमीन की गहराइयों में गदा जैसा हथियार लिए वानर देवता की मूर्ति की पुष्टि हुई है।

1940 में हुई थी जानकारी :
अमेरिकी वैज्ञानिकों की इस खोज की पुष्टि एसएमएस (स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज) के निदेशक व वैदिक विज्ञान केन्द्र के प्रभारी प्रो. भरत राज सिंह ने की है। उन्होंने बताया कि प्रथम विश्वयुद्ध के बाद एक अमेरिकी पायलट ने होंडुरास के जंगलों में कुछ अवशेष देखे थे। उसकी पहली जानकारी अमेरिकी खोजकर्ता थियोडोर मोर्ड ने 1940 में दी थी। एक अमेरिकी पत्रिका में उसने उस प्राचीन शहर में वानर देवता की पूजा होने की बात भी लिखी थी, लेकिन उसने जगह का खुलासा नहीं किया था। बाद में रहस्यमय तरीके से थियोडोर की मौत हो गई और जगह का रहस्य बरकरार रहा।

प्राचीन शहर में वानर पूजा पेज 13

प्रो. भरत राज सिंह

- अमेरिका के जंगलों में दफन है प्राचीन शहर, वानरों की मूर्तियां मिलीं
- वैज्ञानिकों ने लाइडर तकनीक से तैयार किया 3-डी नक्शा

1940 में पहली बार अमेरिकी खोजकर्ता थियोडोर मोर्ड ने देखे थे अवशेष

लाइडर तकनीक से खोजा

करीब 70 साल बाद अमेरिका की ह्यूस्टन यूनिवर्सिटी व नेशनल सेंटर फार एयरबोर्न लेजर मैपिंग के वैज्ञानिकों ने होंडुरास के घने जंगलों में मस्कीटिया नामक स्थान पर लाइडर नामक तकनीकी से जमीन के नीचे 3-डी मैपिंग की, जिसमें प्राचीन शहर का पता चला। इसमें जंगल के ऊपर से विमान से अरबों लेजर तरंगे जमीन पर फेंकी गई। इससे 3-डी डिजिटल नक्शा तैयार हो गया। 3-डी नक्शे में जमीन के नीचे गहराइयों में मानव निर्मित कई वस्तुएं दिखाई दीं। इसमें हाथ में गदा जैसा हथियार लिए घुटनों के बल बैठी हुई है वानर मूर्ति भी दिखी है।

होंडुरास के जंगलों में दिखे विलुप्त विरासत के सबूत

अमेरिका में खोजकर्ताओं को 3-डी मैपिंग के जरिए प्राचीन शहर और जमीन के नीचे गहराइयों में मानव निर्मित कई मूर्तियां दिखीं।

इतिहासकार भी मानते हैं प्राचीन शहर में वानर पूजा

लखनऊ। वैज्ञानिकों ने उस स्थान को खोज निकालने का दावा किया है जिसका वर्णन रामायण में पाताललोक के रूप में है। अमेरिकी इतिहासकार भी मानते हैं कि पूर्वोत्तर होंडुरास के घने जंगलों के बीच मस्कीटिया नाम के इलाके में हजारों साल पहले एक गुप्त शहर सियूदाद ब्लांका का वजूद था। वहां के लोग एक विशालकाय वानर मूर्ति की पूजा करते थे।

प्रो. भरत राज सिंह ने बताया कि बंगाली रामायण में पाताल लोक की दूरी 1000 योजन बताई गई है, जो लगभग 12,800 किलोमीटर है। यह दूरी सुरंग के माध्यम से भारत व श्रीलंका की दूरी के बराबर है। रामायण में वर्णन है कि अहिरावण के चंगुल से भगवान राम व लक्ष्मण को छुड़ाने के लिए बजरंगबली को पातालपुरी के रक्षक मकरध्वज को परास्त करना पड़ा था। मकरध्वज बजरंगबली के ही पुत्र थे, लिहाजा उनका स्वरूप बजरंगबली जैसा ही था। अहिरावण के वध के बाद भगवान राम ने मकरध्वज को ही पातालपुरी का राजा बना दिया था। जमीन के नीचे वानर मूर्ति मिलने के बाद अनुमान लगाया जा सकता है कि बाद में लोग मकरध्वज की ही मूर्ति की पूजा करने लगे होंगे।

3.0 Researches about Vedic Science

[Documentory Link]

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

3.0 Researches about Vedic Science

3.2 Why Rudraksha & Tulasi Mala contains 108 Manika?

- Researched by SMS:

  Sun diameter is 13,92,684 km
  Moon Diameter is 3474 km

- Rudraksha is for Energy Shiva and it is nothing but SUN in the universe:

  As per record distance is 14.96,000 km
  While reciting 108 times we reach to Sun how?
  If we multiply 108 x dia. of Sun (13,92,684)=15,04,09,872 km

- Which is the exact distance from Earth to Sun.

SMS LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

3.0 Researches about Vedic Science

Why Rudraksha & Tulasi Mala contains 108 Manika?

- Tulsi is considered good for Health, thus people recite with it:
- As per record distance from Earth to Moon is 3,70,000 km.
- While reciting 108 times we reach to Moon how?
- If we multiply 108x dia. of Moon (3,474)=3,75,392 km
- Which is the exact distance from Earth to Sun.

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

3.0 Researches about Vedic Science

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के निदेशक प्रो. भरत राज सिंह कर रहे ग्रंथ व पुराणों में दर्ज तथ्यों पर शोध

पृथ्वी से सूर्य की दूरी बताती है रुद्राक्ष की माला

लखनऊ | रामेन्द्र प्रताप सिंह

रुद्राक्ष या तुलसी की माला में 108 मनिकाओं का विशेष महत्त्व है। सूर्य व चंद्रमा के व्यास में 108 का गुणा करने पर दोनों की पृथ्वी से वास्तविक दूरी का पता चलता है। इसे सिद्ध किया है स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) के निदेशक प्रो. भरत राज सिंह ने।

वह वैदिक विज्ञान केन्द्र के माध्यम से ग्रंथ व पुराणों में दर्ज तथ्यों पर शोध कर रहे हैं और उसके वैज्ञानिक कारण खोज रहे हैं। प्रो. सिंह ने बताया कि हिन्दू धर्म में पूजा के दौरान रुद्राक्ष या तुलसी की 108 मनिकाओं वाली माला का इस्तेमाल किया जाता है। सूर्य का व्यास 13,92,684 किलोमीटर है।

प्रो. भरत राज सिंह

इसमें 108 का गुणा करने पर 150409872 किलोमीटर दूरी आती है। यह दूरी पृथ्वी से सूर्य की है, जो अब तक के रिकार्ड के मुताबिक लगभग 14,96,00,000 किलोमीटर आंकी गई है। ऐसी मान्यता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के नेत्रों से निकले जलबिंदुओं से हुई है। रुद्राक्ष से सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

सूर्य के व्यास में 108 का गुणा करने पर निकलती है सूर्य से पृथ्वी की दूरी

चन्द्रमा की पृथ्वी से दूरी भी व्यास में 108 का गुणा पर निकलती है

मान्यता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति शिव के नेत्रों से निकले जलबिंदुओं से हुई

चंद्रमा से पृथ्वी की दूरी भी साबित

दूसरा प्रमुख ग्रह चंद्रमा है। उसका व्यास 3,474 किलोमीटर है। इसमें 108 का गुणा करने पर दूरी 3,75,392 किलोमीटर आती है। रिकॉर्ड के मुताबिक पृथ्वी से चन्द्रमा की दूरी 3,70,300 किलोमीटर है। मान्यता है कि चन्द्रमा शीतलता व स्वास्थ्य प्रदान करता है। तुलसी भी स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। इसीलिए सुख व शांति के लिए तुलसी की माला से जप करना लाभकारी माना जाता है। उन्होंने कहा कि सूर्य व चन्द्रमा के अलावा किसी अन्य ग्रह की दूरी की जानकारी 108 से नहीं होती। पुराणों में 108 का और भी महत्व है। हमारी आकाशगंगा में 108 मुख्य तारे हैं। इसके अलावा नौ ग्रह व 12 राशियां होती है। हर ग्रह पर राशियों को असर होता है। नौ को 12 से गुणा करने पर 108 आता है। प्रो. भरतराज सिंह ने बताया कि वेद व पुराण में दर्ज बातों का वैज्ञानिक आधार तलाशने के लिए वैदिक विज्ञान केन्द्र का गठन किया गया है। केन्द्र में कई वैज्ञानिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। देश व विदेशों का भ्रमण कर साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है।

108 का अन्य महत्व

"माला में 108 मनिकाओं का विशेष महत्व है। कुल 27 नक्षत्र होते हैं। हर नक्षत्र चार चरण का होता है। 27 को चार से गुणा करने पर 108 की संख्या आती है। हर नक्षत्र के प्रत्येक चरण पर जप का प्रावधान है।"
प्रशांत तिवारी, ज्योतिषाचार्य।

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरूआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

3.0 Researches about Vedic Science

3.3 Why Prayer of Only Shiva Performed During Rainy Season

सरिता प्रवाह ब्यूरो saritapravah14@gmail.com
लखनऊ, मंगलवार 26 जुलाई, 2016
आप और संसार
www.saritapravah.com
12

सावन महीने में औरते भगवान शिव की ही पूजा क्यों करती हैं ?

शास्त्रों में कहा गया है कि सावन का महीना भगवान शिव का महीना होता है, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि इस महीने में भगवान विष्णु पाताल लोक में रहते हैं, इसी वजह से इस महीने में भगवान शिव ही पालनकर्ता होते हैं और वहीं भगवान विष्णु के भी कामों को देखते हैं, यानि सावन के महीने में त्रिदेवों की सारी शक्तियां भगवान शिव के पास ही होती है।

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कासिमपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

LUCKNOW

3.0 Researches about Vedic Science

3.4 How to Increase Memory ?

हिन्दुस्तान
लखनऊ LIVE

युवा

द मिलेनियम स्कूल में प्रार्थना सभा में बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

सिटी

भातखण्डे संगीत सम विश्वविद्यालय की ओर से होलिकोत्सव का आयोजन किया गया

युवा/स्पोर्ट्स

'तू सूरज मैं सांझ पियाजी' के कलाकार गुरुवार को लखनऊ आए

शुक्रवार, 07 अप्रैल 2017 www.livehindustan.com

फिलीपींस के केमिकल इंजीनियर चाओ काक सुई के अनुसार भारतीयों ने कान के एक्यूपंक्चर के सिद्धांत पर विकसित की तकनीक

शोध कान पकड़कर उठक-बैठक करने से बढ़ता है दिमाग

कान पकड़कर बच्चों को उठक-बैठक कराना सजा नहीं है। यह याददाश्त बढ़ाने की योग क्रिया है। वैज्ञानिकों ने अपने शोध में इसे बहुत कारगर पाया है। विदेशों में वैज्ञानिकों ने इसे सुपरब्रेन योगा नाम दिया है। वहां शिक्षण संस्थाओ में लागू भी किया जा रहा है। रामेन्द्र प्रताप सिंह की रिपोर्टः

विदेशी वैज्ञानिको इसे सुपरब्रेन योगा कहा

फिलीपीन्स के केमिकल इंजीनियर ग्रैंडमास्टर चाओ काक सुई ने विभिन्न तकनीकों और ऊर्जा से विशेष रूप से मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव का अनुसंधान किया। कई वर्षों के शोध के बाद वर्ष 2005 में उन्होंने एक पुस्तक 'सुपर ब्रेन' लिखी। उनके अनुसार भारतीयों ने कान के एक्यूपंक्चर के सिद्धांत पर तकनीकी विकसित की थी जो लोगों की समझदारी बढ़ाने के लिए उपयोगी है। उन्होंने कहा कि मस्तिष्क एक बैटरी की तरह काम करता है। सीखने व मस्तिष्क को तीक्ष्ण करने के लिए प्रतिदिन मस्तिष्क को योग शक्ति से रिचार्ज करना होता है। मस्तिष्क कोशिकाओं का काम याद्दाश्त, सोच, भावना, ज्ञान, प्रदर्शन, परीक्षण, उपाय, एक्सप्रेस व कनेक्ट करना होता है। फ्लोरिडा के एक शिक्षक राबिन एच ने भी पुष्टि की है। उनका दावा है कि सितम्बर 2015 से वह कक्षा 6 व 8 के विद्यार्थियों को सुपरब्रेन योग करा रहे हैं। इस योग को कराने से बच्चों का ध्यान अधिक केन्द्रित हुआ। सुपरब्रेन से बच्चे की याद्दाश्त भी बढ़ती है।

फ्लोरिडा के एक शिक्षक राबिन एच कक्षा 6 व 8 के विद्यार्थियों को सुपरब्रेन योग कराते है

प्राचीन काल का व्यायाम

वरिष्ठ वैज्ञानिक व वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष प्रो. भरत राज सिंह का कहना है कि प्राचीनकाल में याद्दाश्त बढ़ाने का यह सरल व सक्रिय व्यायाम था, जिसे बाद में सजा का रूप दिया गया। दरअसल मस्तिष्क में बायां व दायां भाग अर्द्धगोलार्द्ध होता है। ये गोलार्द्ध शरीर के विपरीत दिशा के अंगों पर नियंत्रण करते है।

अल्फा तरंगे बढ़ती है

जब अल्फा तरंग की सीमा में हमारा मस्तिष्क रहता है तो हम अत्यधिक क्षमता से कार्य करते है। एथलीट इसी तरंग की सीमा में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते है। वैज्ञानिकों में इसी दशा में ब्रिलियन्ट विचार आते हैं। एक मिनट के सुपरब्रेन योग से अल्फा तरंगों में बढ़ोत्तरी होती है।

ऐसे करें सुपरब्रेन योग

दाहिने हाथ की अंगुलियों से बाएं कान के ललाट व बाएं हाथ की अंगुलियों से दाहिने कान के ललाट को पकड़ें। सांस खींचते हुए घुटनों को झुकाएं और ऊपर उठते हुए सांस छोड़ें। इस प्रक्रिया को 20 से 30 बार करें। एक से दो मिनट अभ्यास को लगातार करने से अल्फा तरंगो की फ्रीक्वेंसी बढ़ जाती है और याद्दाश्त में अप्रत्याशित वृद्धि होती है।

ये भी जानें

1. मस्तिष्क का वजन लगभग 3 पाउण्ड होता है। मस्तिष्क के सुचारु रूप से कार्य करने के लिए 20 से 25 प्रतिशत आक्सीजन व खून की जरूरत होती है।
2. मस्तिष्क ही शरीर के विभिन्न अंगों का संचालन व नियंत्रण करता है। मस्तिष्क में लगभग 100 मिलियन किताबों के आंकड़े जमा करने की क्षमता होती है।
3. मस्तिष्क में चार तरंगे काम करती हैं। बीटा तरंगें 15-30 हर्टज की फ्रीक्वेंसी के बीच होती हैं। इससे मस्तिष्क जागृत रहता है और पूर्ण चेतन अवस्था उत्पन्न रहती है।
4. अल्फा तरंगों की सीमा 9-14 हर्टज होती है। इससे मस्तिष्क को आराम व शान्ति मिलती है। मस्तिष्क की यह दशा मेडिटेशन व क्रिएटिव कार्य में अति उपयोगी होती है।
5. थीटा तरंगें 4-8 हर्टज होती है। इस दशा में मस्तिष्क गहरे आराम में रहता है। डेल्टा तरंगों की सीमा 1-3 हर्टज होती है। इसमें मस्तिष्क बिना स्वप्न के गहरी नींद पूरी करता है।

SMS
LUCKNOW

4.0 Books – Published by Vedic Science Center

4.0 Book of Yoga
Published under Vedic Vigyan Science

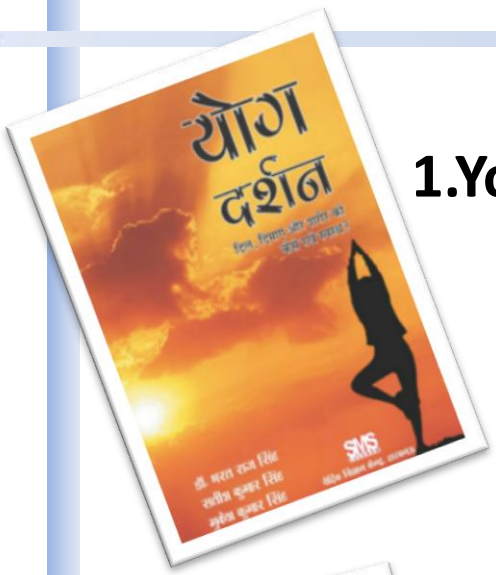

1.Yog Darshan-How to keep heart, mind and body healthy? - 24 Oct 2020" - written by Prof. Bharat Raj Singh, Shri Satish Kumar Singh & Shri Mukesh Kr. Singh- published **ISBN:** 978-93-86142-32-0, by *M/s. MRI Publication Pvt. Ltd., Lucknow,* **Oct/Nov 2020**.

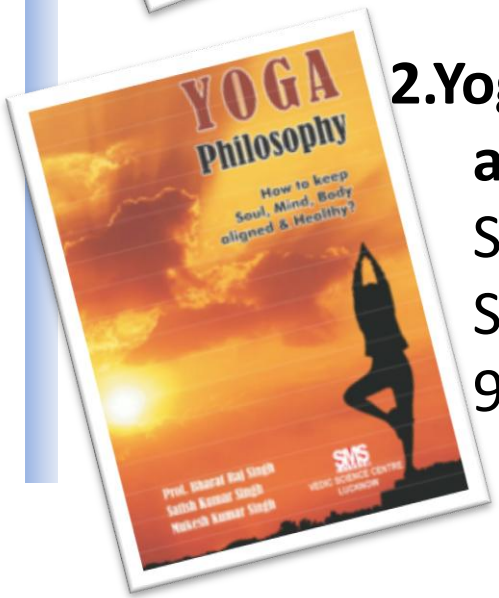

2.Yoga Philosophy-How to keep Soul, mind and body aligned & healthy? is written by Prof. Bharat Raj Singh, Shri Satish Kumar Singh & shri Mukesh Kr. Singh published by *M/s. Lulu Press Inc., USA*; ISBN: 978-1-716-63515-1 on 18th Dec 2020.

SMS
LUCKNOW

4.0 Book of Yoga
Published under Vedic Vigyan Science

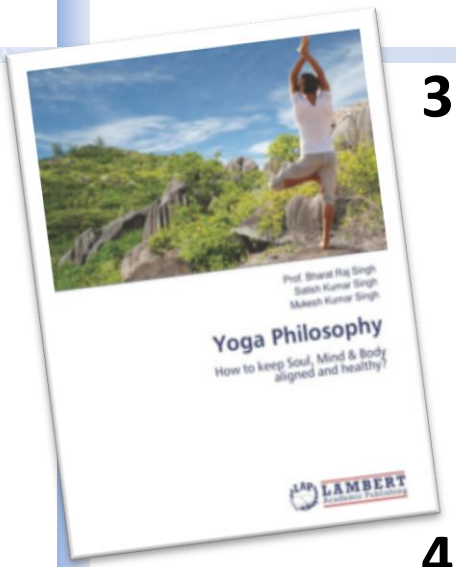

3.Yoga Philosophy-How to keep Soul, mind and body aligned & healthy? is written by Prof. Bharat Raj Singh, Shri Satish Kumar Singh & Shri Mukesh Kr. Singh; ISBN: 978-6-203-20122-2, published by *LAP-Lambert-Academic-Publishing, London*;(Eng) on 12th Jan 2021.

4. The Book also published in 7-languages including Hindi & English:

i). ***Book in French*** **-**Yoga Philosophy, Published by **M/S Editions Notre Savoirin, Franch;** ISBN:978-6-204-01626-9 on 17 Aug 2021.

ii) ***Book in German*****-**Yoga Philosophy, Published by **M/S Verlag Unser Wissenin, Germany;** ISBN:978-6-204-01624-5 on 17 Aug 2021.

iii). ***Book in Italian*** **-**Yoga Philosophy, Published by **M/S Edizioni Sapienzain, Italy;** ISBN:978-6-204-01629-0 on 17 Aug 2021.

iv). ***Book in Portuguese*** **-**Yoga Philosophy, Published by **M/S Edições Nosso Conhecimento, Portuguese;** ISBN:978-6-204-01627-6 on 17 Aug 2021.

v). ***Book in Russian*** Yoga Philosophy, Published by **M/S Sciencia Scripts, Russian;** ISBN:978-6-204-01634-4 on 17 Aug 2021.

4.0 Book of Yoga
Published under Vedic Vigyan Science

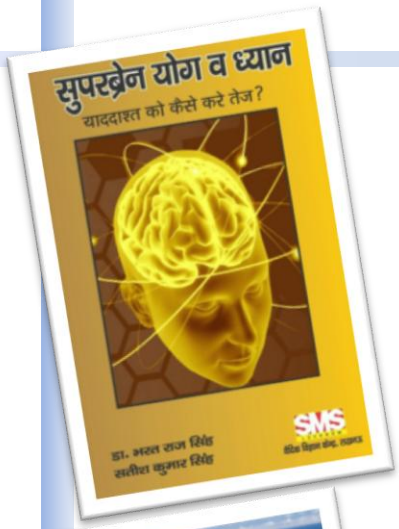

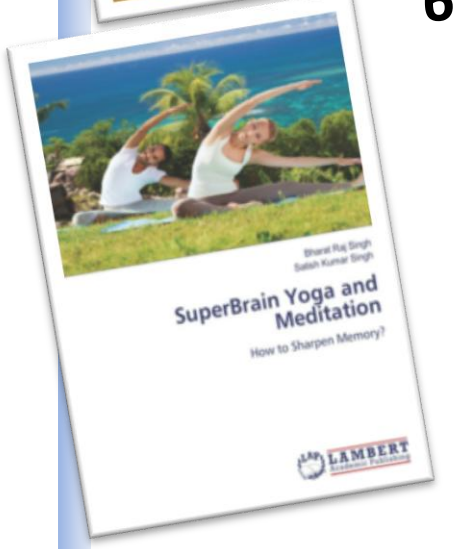

5. **SuperBrain Yoga & Meditation (Hindl):** How to Sharpen the Memory - written by Dr. Bharat Raj Singh and Shri Satish Kumar Singh- **ISBN 978-1-716-14093-8** , December 2021; published by *LULU Press Inc., 627, Davis Drive, Suite 300, Morrisville,NC 27560, USA. www.lulu.com*

6. **SuperBrain Yoga & Meditation (English):** How to Sharpen the Memory -published on 25th Jan 2022 from "LAP Lambert Academic Publication, London" - **ISBN:978-620-4-73992-2** Str. A Russo 15, of 61, Chisinau-2068, Republic of Maldova, Europe. The book was translated into English from its Hindi Edition written by Dr. Bharat Raj Singh and Shri Satish Kumar Singh.

Continued......

SMS LUCKNOW

4.0 Book of Yoga
Published under Vedic Vigyan Science

वैदिक विज्ञान केन्द्र

7. The book SuperBrain Yoga & Meditation (Eng.): also published in 7- Languages:

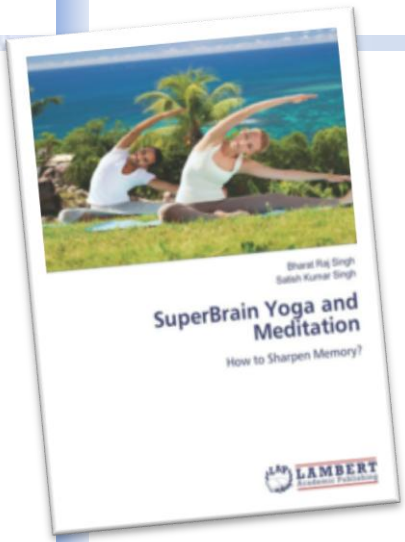

i). ***Book in French;*** SuperBrain Yoga, Publisher **M/S Editions Notre Savoir, Franch;** ISBN:978-6-204-49698-6; on February 24, 2022.

ii). ***Book in German;*** SuperBrain Yoga, Publisher **M/S Verlag Unser Wissen, Germany;** ISBN:978-6-204-49696=2 on February 24, 2022

iii). ***Book in Spanish;*** SuperBrain Yoga, Publisher **M/S Edizioni Sapienza, Italy;** ISBN:978-6-204-49699-3; on February 24, 2022.

iv). ***Book in Italian*** ; SuperBrain Yoga, Publisher **M/S Ediciones Nuestro Conocimiento, Spanish;** ISBN:978-6-204-49697-9; on February 24, 2022.

v). ***Book in Portuguese*** ; SuperBrain Yoga, Publisher **M/S Edições Nosso Conhecimento, Portuguese;** ISBN:978-6-204-49690-0; on February 24, 2022.

SMS
LUCKNOW

4.0 Book of Yoga
Published under Vedic Vigyan Science

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

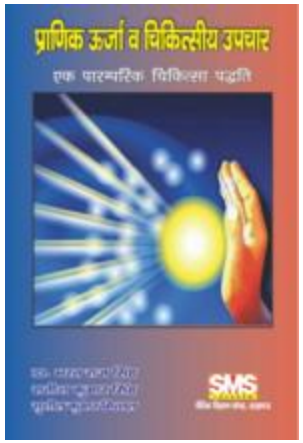

8. **Pranik Urja & Chikatseey Upchar (Hindi):** Ek Paramparik Chikitsa Paddhati by Dr. Bharat Raj Singh, Shri Satish Kumar Singh and Dr Sushil Kumar Mittal -published on 15 May 2022 - ISBN: 978-1-4357-7504-6; from Lulu Press Inc., 627,Davis Drive, Suite 300, Morrisville, NC 27560, USA.

9. **Pranic Energy & Therapeutic Healing (Eng):** A traditional Healing System by Dr. Bharat Raj Singh, Shri Satish Kumar Singh and Dr Dharmendra Singh-published on 30 July 2022 - ISBN: 978-1-387-73771-0; from Lulu Press Inc., 627,Davis Drive, Suite 300, Morrisville, NC 27560, USA.

4.0 Book of Yoga
Published under Vedic Vigyan Science

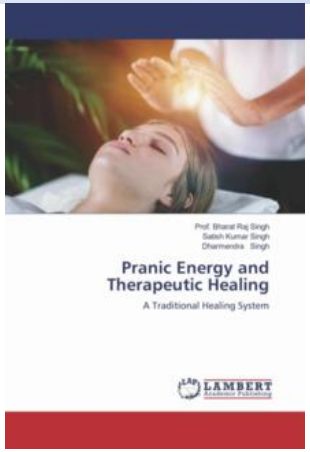

10. Pranic Energy & Therapeutic Healing (Eng): A traditional Healing System- authored by Dr. Bharat Raj Singh, Shri Satish Kumar Singh and Dr Dharmendra Singh, published on 20 Aug 2022 - ISBN: 978-620-5-49338-0 ; from *LAP Lambert Publishing, London.*

11. Pranic Energy & Therapeutic Healing also published in 7-Languages:

i). **Book in English** - Pranic Energy and Healing, Publisher **M/S LAP LAMBERT Academic Publishing;** ISBN:978-620-5-49338-0; on Aug 22, 2022 .

ii). **Book in French -** Énergie pranique et guérison, Publisher **M/S Editions Notre Savoir;** ISBN:978-620-5-12823-7; on Aug 31, 2022.

iii). **Book in Spanish -** Energía pránica y curación, Publisher **M/S Ediciones Nuestro Conocimiento;** ISBN:978-620-5-12822-0; on Aug 31, 2022.

iv). **Book in Portuguese** - Energia Pranica e Cura, Publisher **M/S Edições Nosso Conhecimento;** ISBN:978-620-5-12820-6; on Aug 31, 2022.

v). **Book in Russian** - Pranicheskaq änergiq i terapewticheskoe, Publisher **M/S Sciencia Scripts;** ISBN:978-620-5-12831-2; on Aug 31, 2022.

vi). **Book in Italian** - Energia pranica e guarigione terapeutica , Publisher **M/S Edizioni Sapienza;** ISBN:978-620-5-12824-4; on Augt 31, 2022.

vii). **Book in German** - Prana-Energie und therapeutisches Heilen, Publisher **M/S Verlag Unser Wissen;** ISBN:978-620-5-12821-3; on Aug 31, 2022.

4.0 Book of Yoga
Published under Vedic Vigyan Science

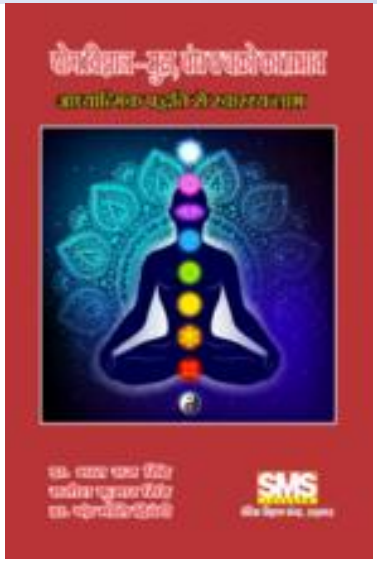

12. Yog Vigyaan: Mudra, Bandh & Chakro Ka Mahatva (Hindi): Adhyaatmik Paddhati Se Swasthya Labh, authored by Dr. Bharat Raj Singh, Shri Satish Kumar Singh and Dr. CM Dwivedi , ISBN: 978-1-329-61385-0; published on **01 March 2023** - from *Lulu Press Inc., 627,Davis Drive, Suite 300, Morrisville, NC 27560, USA*.

SMS
LUCKNOW

वैदिक विज्ञान केन्द्र
(स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, लखनऊ के तत्वाधान में संचालित)
19 किमी. स्टोन, कानिसपुर बिरुआ, सुल्तानपुर रोड, गोसाईगंज, लखनऊ

5.0 Future Plan

- Planning to start Sanskrit Teaching
- Establish Yoga Institute
- Will start unfolding science behind Vimanas
- Type of Energy being used in ancient period

.....many more

SMS
LUCKNOW

Thank You